J.C. BOSE UNIVERSITY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, YMCA FARIDABAD HARYANA
विद्या परम् भूषणम्

संचार

विद्यार्थियों की कलम से...

तिथि– ज्येष्ठ/कृष्ण पक्ष/एकादशी/संवत 2082/युगाब्द 5127, मई 2025

READY FOREVER

आधुनिक मीडिया प्रशिक्षण की मिसाल बना संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग

जहां बनते हैं भविष्य के मीडिया प्रोफेशनल्स, स्टूडियो और वीडियो एडिटिंग सॉफ्टवेयर से मिलेगी बेहतर ट्रेनिंग

फरीदाबाद। *जे.सी. बोस विश्वविद्यालय वाईएमसीए, फरीदाबाद, हरियाणा का एक प्रमुख शैक्षिक संस्थान है, जो अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इसका संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग उन विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है जो मीडिया और संचार के क्षेत्र में एक सफल और सार्थक करियर बनाना चाहते हैं। आधुनिक सुविधाओं, व्यावहारिक प्रशिक्षण और इंडस्ट्री–उन्मुख पाठ्यक्रम के साथ, यह विभाग छात्रों को उनके सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान करता है। संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग में सैद्धांतिक (थ्योरी) और व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) दोनों पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है। छात्रों को मीडिया जगत की गहन समझ विकसित करने के लिए कक्षा में सैद्धांतिक ज्ञान दिया जाता है, जबकि प्रैक्टिकल सत्रों के माध्यम से उन्हें वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का अनुभव प्राप्त होता है। यह संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि छात्र इंडस्ट्री में कदम रखते ही अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।*

मल्टीमीडिया स्टूडियो से निखरेगी रचनात्मकता

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय का यह विभाग आधुनिक तकनीक और संसाधनों से सुसज्जित है, जो छात्रों को मीडिया के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों से परिचित कराता है। विभाग में उपलब्ध कुछ प्रमुख सुविधाएं इस प्रकार हैं:

मल्टीमीडिया स्टूडियो: यहां पेशेवर स्तर के स्टूडियो हैं, जहां छात्र वीडियो प्रोडक्शन, ऑडियो रिकॉर्डिंग और अन्य मीडिया गतिविधियों का अभ्यास कर सकते हैं।

उन्नत कैमरे: नवीनतम तकनीक वाले कैमरे छात्रों को वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी में निपुण बनाते हैं। हाई डेफिनशन मल्टी कैमरा, क्रेन, टैली प्रॉम्पटर आदि शामिल हैं।

वीडियो एडिटिंग सॉफ्टवेयर: प्रोफेशनल वीडियो एडिटिंग सॉफ्टवेयर की उपलब्धता छात्रों को पोस्ट–प्रोडक्शन कौशल सिखाती है। लैब में आई मैक और विंडो सिस्टम शामिल हैं। जिनमें विद्यार्थी एफसीपी, एडॉब प्रीमियर, आफ्टर इफेक्ट और फोटोशॉप सॉफ्टवेयर हैं।

ग्रीन रूम: स्टूडियो में एक अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ ग्रीन रूम भी मौजूद है। जिसमें टॉक शो, न्यूज बुलेटिन, साक्षात्कार जैसे अन्य कार्यक्रमों की शूटिंग से पहले मेकअप किया जाता है।

इन सुविधाओं के साथ विद्यार्थियों को एक ऐसा माहौल मिलता है, जहां वे अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं और भविष्य के लिए तैयार होते हैं।

सत्र 2025 के लिए प्रवेश प्रक्रिया

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय वाईएमसीए के संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग ने सत्र 2025–26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह विभाग विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करता है। उपलब्ध पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं:

बीएजेएमसी: बैचलर ऑफ आर्ट्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, 3/4वर्षीय कोर्स, योग्यताः 10+2 मेरिट आधारित

बीए सोशल वर्क: सामाजिक कार्य में स्नातक डिग्री, 3/4वर्षीय कोर्स, योग्यताः 10+2 मेरिट आधारित

बीएससी वीसीएमटी: विजुअल कम्युनिकेशन एंड मल्टीमी. डिया टेक्नोलॉजी में स्नातक, 3/4वर्षीय कोर्स, योग्यताः 10+2

एमएजेएमसी: मास्टर ऑफ आर्ट्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, दो वर्षीय कोर्स

एमएसडब्लू : मास्टर ऑफ सोशल वक, दो वर्षीय कोर्स

विश्वविद्यालय में यूजी कोर्स में दाखिला मेरिट के आधार पर तो वहीं एमएजेएमसी और एमएसडब्लू में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थी को प्रवेश परीक्षा देनी होगी। इस परीक्षा में प्राप्त रैंक के अनुसार ही दाखिला होगा।

"हमारा उद्देश्य ऐसे युवाओं को तैयार करना है जो मीडिया के माध्यम से समाज हित में रचनात्मक कार्य कर अपना योगदान दे। मीडिया रोमांच से भरपूर हर पल कुछ नया करने वाला क्षेत्र है। यह कोर्स विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव, अनुसंधान कौशल और लोकतांत्रिक प्रणाली में मीडिया की समझ प्रदान करता है, जिससे वे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के सजग प्रहरी की भूमिका निभा सकें।

प्रो.एस.के.तोमर

कुलपति, जे.सी.बोस विश्वविद्यालय वाईएमसीए, फरीदाबाद

बोस रेडियोः आवाज़ जहां पहचान बनती है

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार और मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में स्थापित अत्याधुनिक रेडियो रूम विद्यार्थियों के लिए रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का केंद्र बन गया है। इस रेडियो रूम में चार माइक सिटिंग, उच्च गुणवत्ता वाले रिकॉर्डिंग उपकरण, और नवीनतम सॉफ्टवेयर की सुविधा उपलब्ध है, जो छात्रों को पेशेवर स्तर की ऑडियो प्रोडक्शन सुविधा प्रदान करता है।

यह रेडियो रूम न केवल रिकॉर्डिंग के लिए एक समर्पित स्टूडियो है, बल्कि एक ऐसा मंच भी है जहां छात्र विभिन्न प्रकार के ऑडियो कार्यक्रम जैसे पॉडकास्ट, साक्षात्कार, और रेडियो नाटक तैयार करते हैं। इनमें से कई कार्यक्रम ऑन–एयर प्रसारित किए जाते हैं, जिससे छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिलता है। विभाग का नारद मुनि मल्टीमीडिया प्रोडक्शन सेंटर के तहत यह रेडियो रूम छात्रों को रेडियो उद्योग में प्रवेश से पहले व्यावहारिक प्रशिक्षण देता है।

विभागाध्यक्ष के अनुसार, यह सुविधा छात्रों को तकनीकी और रचनात्मक दोनों क्षेत्रों में सशक्त बनाने के लिए डिजाइन की गई है। यह रेडियो रूम निश्चित रूप से युवा मीडिया पेशेवरों के लिए एक प्रेरणादायक मंच है।

संचार क्लब: मीडिया की दुनिया का मास्टरस्ट्रोक

फरीदाबाद। *जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के मीडिया विभाग में संचार क्लब एक ऐसा मंच है, जो न केवल मीडिया विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारता है, बल्कि उन्हें वैश्विक मंच पर चमकने के लिए तैयार करता है। 19 सितंबर 2017 को स्थापित यह क्लब, अपनी टैगलाइन रेडी फॉर एवर को साकार करते हुए, मीडिया और संचार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। यहाँ कुछ ऐसी जानकारी हैं, जो संचार क्लब को अनूठा और प्रेरणादायक बनाती हैं*

स्थापना और उद्देश्य

संचार क्लब की स्थापना का मुख्य उद्देश्य मीडिया विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल एक्सपोजर प्रदान करना था। महर्षि नारद मीडिया सेंटर फॉर मीडिया रिसर्च एंड प्रोडक्शन की स्थापना के बाद, विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पवन सिंह के नेतृत्व में क्लब ने नई ऊँचाइयाँ छुईं। वर्तमान में, स्टूडियो, पीसीआर, पोस्ट प्रोडक्शन रूम, ऑडियो रिकॉर्डिंग स्टूडियो, ग्रीन रूम और सोशल मीडिया प्रबंधन जैसे सभी क्षेत्रों में संचार क्लब की महत्वपूर्ण भूमिका है।

क्लब विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार, संगोष्ठी, विशेष व्याख्यान और अन्य कवरेज के लिए फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, समाचार लेखन, हिंदी व अंग्रेजी टाइपिंग और वॉइसओवर जैसे कार्यों में प्रशिक्षित करता है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थी मीडिया क्षेत्र की वास्तविक चुनौतियों और कार्यशैली से परिचित होते हैं।

'संचार' क्लब न केवल वाईएमसीए का गौरव है, बल्कि मीडिया की दुनिया में एक प्रेरणादायक कहानी है। यह क्लब विद्यार्थियों को नई दिशाएँ दिखाने और उन्हें वैश्विक मंच पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

ऑन एयर होते हैं कार्यक्रम

संचार क्लब साप्ताहिक हिंदी और अंग्रेजी न्यूज बुलेटिन, युवा मन की बात, स्पोर्ट्स शो, पाक्षिक न्यूजलेटर और मासिक संचार समाचार पत्र जैसे प्रोजेक्ट्स के माध्यम से खबरों को नया आयाम देता है। तजुर्बा साक्षात्कार सीरीज में प्रख्यात हस्तियों के अनुभवों को लोगों तक पहुंचाकर क्लब ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर धमक

पिछले चार वर्षों से संचार क्लब दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल किक बॉक्सिंग टूर्नामेंट की कवरेज कर वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ रहा है। इंटरनेशनल सूरजकुंड मेला, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, दिल्ली–एनसीआर के फिल्म फेस्टिवल और राज्य स्तरीय आयोजनों में इसकी सक्रिय भागीदारी ने इसे सुर्खियों में ला दिया है। संचार के विद्यार्थी अपनी कर्मठता से हर मंच पर तारीफ बटोर रहे हैं। संचार क्लब की उपलब्धियों की सूची अंतहीन है। इसने न केवल विश्वविद्यालय स्तर पर, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पुरस्कार और प्रशंसा हासिल की है।

चयन प्रक्रिया से बनती है टीम

विभागाध्यक्ष प्रो. पवन सिंह के मार्गदर्शन में प्रत्येक वर्ष संचार क्लब के लिए नए विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। बीएजेएमसी, बीए सोशल वर्क, बीएससी वीसीएमटी, एमएजेएमसी और एमए सोशल वर्क के नए विद्यार्थियों में से तीन चरणों लिखित परीक्षा, प्रैक्टिकल और साक्षात्कार के आधार पर चयन होता है। संचालन के लिए एक कार्यकारिणी का गठन भी किया जाता है, जिसमें क्लब हेतु अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, स्टूडेंट समन्वयक, बजट समन्वयक और प्रोग्राम समन्वयक जैसे पदों पर ऊर्जावान विद्यार्थियों को नियुक्त किया जाता है।

तकनीकी विकास के साथ कदमताल

मीडिया क्षेत्र में तकनीकी प्रगति के साथ–साथ संचार क्लब ने भी अपनी कार्यशैली में बदलाव किए हैं। वरिष्ठ प्रशिक्षक दुष्यंत त्यागी, प्रोडक्शन सहायक पंकज सैनी और अंजू सिंह के मार्गदर्शन में क्लब साप्ताहिक हिंदी और अंग्रेजी न्यूज बुलेटिन, युवा मन की बात, स्पोर्ट्स शो, पाक्षिक न्यूजलेटर और मासिक संचार समाचार पत्र का प्रकाशन करता है। इसके अलावा, लोकप्रिय हस्तियों के अनुभव साझा करने के लिए तजुर्बा साक्षात्कार सीरीज, विशेष व्याख्यान, कार्यशालाएँ और संगोष्ठियाँ वाईएमसीए संचार यूट्यूब चैनल के माध्यम से व्यापक दर्शकों तक पहुँचती हैं।

दृश्य क्लब: रचनात्मकता निखारने का मंच

फरीदाबाद। मीडिया विभाग में बीएससी, वीसीएमटी विजुअल कम्युनिकेशन के विद्यार्थियों के लिए स्थापित दृश्य क्लब, छात्रों की रचनात्मकता को निखारने और दृश्य कला के क्षेत्र में नई संभावनाएं तलाशने का एक अनूठा मंच बन चुका है। आज के दृश्य–प्रधान युग में, जहाँ रचनात्मक अभिव्यक्ति संचार और कहानी कहने का महत्वपूर्ण हिस्सा है, दृश्य क्लब सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक कौशल से जोड़कर छात्रों को नवाचार और कलात्मक विकास के लिए प्रेरित कर रहा है।

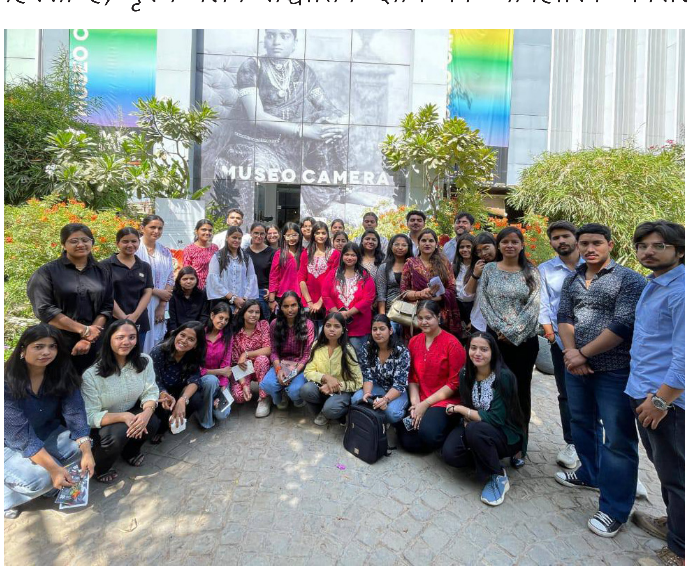

कार्यशालाओं से मिलती है नई दिशा

दृश्य ने डेटा विजुअलाइजेशन, डिजाइन और मिट्टी मॉडलिंग जैसे विषयों पर कई कार्यशालाएं आयोजित की हैं। इन कार्यशालाओं ने छात्रों को नई तकनीकों को सीखने, विभिन्न माध्यमों के साथ प्रयोग करने और डिजाइन उद्योग की गहरी समझ विकसित करने का अवसर प्रदान किया है। ये गतिविधियां छात्रों को रचनात्मक और पेशेवर रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

दृश्य क्लब कॉर्डिनेट डॉ सोनिया हुडा के मार्गदर्शन में दृश्य क्लब छात्रों की रचनात्मक चिंगारी को प्रज्वलित कर रहा है। क्लब अगली पीढ़ी के विजुअल कम्युनिकेटर्स को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो भविष्य में अपनी कला और नवाचार से विश्व में बदलाव लाएंगे। क्लब का उद्देश्य छात्रों को दृश्य कला, डिजाइन और डिजिटल मीडिया के विभिन्न रूपों में महारत हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

सांस्कृतिक यात्राओं से प्रेरणा

क्लब ने सांस्कृतिक और शैक्षिक यात्राओं के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया है। सदस्यों ने दिल्ली के दिल्ली हाट का दौरा किया, जहाँ भारतीय पारंपरिक कला और हस्तशिल्प की जीवंत झलक ने उन्हें प्रेरणा दी। कला और शिल्प संग्रहालय, दिल्ली में भारत की समृद्ध कलात्मक परंपराओं को करीब से देखने का अवसर मिला। राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा में प्रसिद्ध भारतीय कलाकारों की कृतियों ने छात्रों को आधुनिक कला की गहराई से परिचित कराया। इसके अलावा, गुड़गाँव के कैमरा संग्रहालय की यात्रा ने फोटोग्राफी के इतिहास और दृश्य कहानी कहने की तकनीकी प्रगति को समझने में मदद की।

भविष्य की योजनाएं

दृश्य क्लब का लक्ष्य भविष्य में अधिक रचनात्मक अवसर प्रदान करना, पेशेवर विकास को बढ़ावा देना और सहयोग को प्रोत्साहित करना है। क्लब नवाचार और कलात्मक खोज की संस्कृति को मजबूत करते हुए वाईएमसीए के छात्रों को डिजाइन और डिजिटल मीडिया की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार कर रहा है।

J.C. BOSE UNIVERSITY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, YMCA FARIDABAD HARYANA
विद्या परम् भूषणम्

संचार
विद्यार्थियों की कलम से...

READY FOREVER

वर्तमान पीढ़ी की भावी पत्रकारिता को गढ़ने में अहम भूमिका निभा रहा है जे.सी.बोस विश्वविद्यालय का मीडिया विभाग

प्रो. पवन सिंह
चेयरपर्सन, मीडिया एवं तकनीकी विभाग

- ***नौ वर्षों के सफर में सीएमटी विभाग ने भविष्य के पत्रकारों को वर्तमान मीडिया हाउस की जरूरतों के अनुसार तैयार किया है***
- ***विभाग द्वारा इन तमाम डिग्री कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को थ्योरी के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराकर उन्हें वर्तमान मीडिया क्षेत्र की चुनौतियों के लिए तैयार किया जाता है***

जे.सी.बोस विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया तकनी. की विभाग पत्रकारिता की वर्तमान पीढ़ी को तरासने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मीडिया विभाग वर्ष 2016 में एमएजेएमसी कोर्स के साथ शुरू हुआ। उसके दो वर्ष उपरांत बीएजेएमसी का तीन वर्षीय डिग्री कोर्स शुरू हुआ। विगत नौ वर्षों के सफर में सीएमटी विभाग ने भविष्य के पत्रकारों को वर्तमान मीडिया हाउस की जरूरतों के अनुसार तैयार किया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार ही मीडिया विद्यार्थियों के लिए बीएससी विजुअल कम्युनिकेशन का तीन वर्षीय एवं चार वर्षीय कोर्स शुरू किया। विभाग द्वारा इन तमाम डिग्री कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को थ्योरी के साथ–साथ व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराकर उन्हें वर्तमान मीडिया क्षेत्र की चुनौतियों के लिए तैयार किया जाता है। प्रैक्टिकल एक्सपोजर के लिए डिजि. टल मीडिया स्टूडियो विभाग की यूएसबी है।

संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग का विश्व स्तरीय एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मल्टीकेम सेटअप स्टूडियो में क्रेन कैमरा, मल्टी रूफ लाइटिंग सिस्टम, क्रोमा सेटअप, दर्शक दीर्घा के लिए उचित स्थान, लेटेस्ट सॉफ्टवेयर और बड़ी स्क्रीन के साथ अत्याधुनिक एवं उच्च श्रेणी वाला विशाल ऑडियो कंसोल से सुसज्जित पीसीआर, डाटा स्टोरेज के लिए बड़ा सर्वर रूम, शूट से पहले केश सज्जा एवं रूप निखार के लिए तैयार होने के लिए उच्च श्रेणी का ग्रीन रूम एवं ड्रेसअप होने के लिए अलग से चेंजिंग रूम जैसी सुविधा उपलब्ध है। वॉइस ओवर क्षेत्र में जाने वाले विद्यार्थियों की ऑडियो रिकॉर्डिंग के लिए अलग से साउंड प्रूफ ऑडियो स्टूडियो उपलब्ध है। ऑडियो रिकॉर्डिंग, वीडियो और फोटो शूट के उपरांत एडिटिंग करने के लिए पोस्ट प्रॉडक्शन रूम है। जिसमें वीडियो और ऑडियो एडिटिंग हेतु एफसीपी, मेक सिस्टम पर मीडिया विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल करने का मौका मिलता है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर के साथ बीएससी वीसीएमटी के लिए प्रैक्टिकल करने के उद्देश्य से तीन अलग. –अलग लैब में कंप्यूटर पर हिंदी, इंग्लिश टाइपिंग के साथ, मीडिया विद्यार्थी ग्राफिक डिजाइनिंग करने का अभ्यास करते हैं। मीडिया विद्यार्थियों को वर्तमान चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से शुरू किया गया 'संचार' क्लब के अंतर्गत मीडिया संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।

संचार के तहत संचार न्यूज पेपर, हिंदी एवं अंग्रेजी के साप्ताहिक न्यूज बुलेटिन और साप्ताहिक अन्य कार्यक्रम के अतिरिक्त समकालीन ज्वलंत मुद्दों पर आधारित बाईट, साक्षात्कार के अलावा विभिन्न स्कूल विद्यार्थियों द्वारा समय समय पर की जाने वाली विजिट की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की प्रेक्टिकल के लिए योग्य एवं अनुभवी प्रॉडक्शन स्टाफ की देखरेख में तमाम प्रैक्टिकल एक्सपोजर के उपरांत विद्यार्थी वर्तमान मीडिया प्रॉडक्शन हाउस के लिए स्वयं के कौशल में दक्षता प्राप्त करता है। इसके अतिरिक्त शिक्षण क्षेत्र में जाने वाले मीडिया विद्यार्थियों के लिए विभाग द्वारा नेट परीक्षा की तैयारी हेतु निःशुल्क कक्षाओं का आयोजन समय–समय पर होता है। मीडिया में शोध के इच्छुक स्कॉलर्स के लिए पीएचडी की सुविधा भी उपलब्ध है। मीडिया विभाग अपने सामाजिक सरोकार के दा. यित्व को निभाते हुए विगत 4 वर्षों से विश्वविद्यालय की शीतकालीन एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि के दौरान इंटर्नशिप का आयोजन करता आ रहा है। इन इंटर्नशिप के माध्यम से मीडिया विद्यार्थी का चहुंमुखी विकास हो रहा है। विभाग पहली बार मी. डिया विद्यार्थियों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अन्य कोर्स में अध्ययनरत विद्यार्थी और मीडिया क्षेत्र की गतिविधियों की जानकारी रखने वाले वाले युवाओं के लिए भी इस विशेष इंटर्नशिप में शामिल करने के उद्देश्य से ओपन टू ऑल कर दिया है।

युवा फॉर सेवा: समाज सेवा की ओर युवाओं का कदम

जे.सी. बोस यूनिवर्सिटी, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार और मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के सामाजिक कार्य के विद्यार्थियों द्वारा गठित एक आंतरिक छात्र–नेतृत्व वाला क्लब, युवा फॉर सेवा, समाज सेवा और सामुदायिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है। यह क्लब सेवा एवं समर्पण के मूल्यों पर आधारित है, जो छात्रों को सामाजिक रूप से प्रासंगिक पहलों को योजनाबद्ध करने और लागू करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह न केवल विश्वविद्यालय परिसर के भीतर, बल्कि इसके बाहर भी सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देता है। इसका लक्ष्य न केवल सामाजिक बदलाव लाना है, बल्कि छात्रों को ऐसे अनुभव प्रदान करना है जो उनकी शैक्षणिक शिक्षा को व्यावहारिक जीवन से जोड़े।

गतिविधियां और पहल

युवा फॉर सेवा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करता है। क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक समानता जैसे मुद्दों पर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं।

ये अभियान नुक्कड़ नाटकों, सोशल मीडिया कैंपेन, और सेमिनारों के माध्यम से समाज तक पहुंचते हैं। क्षेत्रीय भ्रमण (फील्ड विजिट) छात्रों को सामाजिक समस्याओं को करीब से समझने के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भ्रमण का आयोजन किया जाता है। ये भ्रमण उन्हें वास्तविक जीवन की चुनौतियों से रूबरू कराते हैं। स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर क्लब स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और जरूरतमंदों के लिए सहायता कार्यक्रम आयोजित करता है।

युवा फॉर सेवा विभिन्न गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) के साथ मिलकर सेवा कार्य करता है, जिससे छात्रों को सामाजिक कार्य के पेशेवर क्षेत्र में अनुभव प्राप्त होता है।

शैक्षणिक और व्यावहारिक विकास

युवा फॉर सेवा न केवल सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देता है, बल्कि छात्रों के शैक्षणिक और व्यावहारिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह क्लब छात्रों को उनकी शैक्षणिक शिक्षा को सामाजिक वास्तविकताओं के साथ जोड़ने का अवसर प्रदान करता है। इससे न केवल उनकी सामाजिक समस्याओं की समझ बढ़ती है, बल्कि नेतृत्व, टीमवर्क, और संचार जैसे पेशेवर कौशल भी विकसित होते हैं।

युवा फॉर सेवा एक ऐसा मंच बन गया है जहां युवा अपनी ऊर्जा, रचनात्मकता, और समर्पण को समाज के हित में उपयोग करते हैं। यह क्लब छात्रों को न केवल समाज की समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाता है, बल्कि उन्हें सक्रिय और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है।

Student's Activities

Department of Communication & Media Technology

Developed by students of CMT for Practical Training Purpose. Patron- Prof. Sushil Kumar Tomar, Co-Patron Prof Anuradha Sharma, Prof. Pawan Singh. Editorial Team- Anju Singh, Dushyant Tyagi, Pankaj Saini. Student Fraternity-Bhawana, Yogesh, Kirti Jha, Astha Tiwari, Riddhima, Special Thanks: Jitender Singh Yadav (PRO, JCBUST)